टूटेगा मैनचेस्टर का भ्रम या बनेगा शर्मनाक रिकॉर्ड

चोटों से जूझ रही टीम इंडिया को इंग्लैंड से पार पाने के लिए नए चेहरों पर भरोसा, नीतीश रेड्डी बाहर, अंशुल कम्बोज को मिल सकता है मौका

मैनचेस्टर 22 जुलाई. इंग्लैंड और भारत की टीमें बुधवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट के लिए उतरेंगी। इस मैच में भारत का लक्ष्य न केवल इस मैदान पर अपनी पहली जीत हासिल करना होगा, बल्कि सीरीज में वापसी करना भी होगा। वहीं, लॉर्ड्स टेस्ट जीतकर आ रही इंग्लैंड की टीम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

भारत को ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली जीत की तलाश

इंग्लैंड टीम आत्म-विश्वास से ओतप्रोत

भारतीय टीम इंग्लैंड में मैनचेस्टर के मैदान पर आज तक भी कोई टेस्ट मैच नहीं जीती है. शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया के पास मौका है कि वो 23 जुलाई से 27 जुलाई तक चलने वाले मैच में इंग्लैंड को हराकर इन आंकड़ों को बदल दें. लेकिन अगर भारत ये मैच भी हार गया, तब टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज तो हारेगी ही, साथ ही भारत पर एक ऐसा शर्मनाक ठप्पा लग जाएगा, जो कि आज तक कभी किसी टीम पर नहीं लगा है. भारत मैनचेस्टर के मैदान पर अब तक 9 टेस्ट मैच खेल चुका है, लेकिन टीम इंडिया के लिए शर्मनाक बात ये है कि अब तक इस मैदान पर भारत को एक भी जीत नहीं मिली है. इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए इन 9 मैच में से 5 मुकाबले ड्रॉ हुए हैं, वहीं चार मैच भारत हारा है. अब भारत मैनटेस्टर में 10वां मैच खेलने जा रहा है, अगर शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ये मैच भी हार गया तो ऐसा पहली बार होगा कि टीम इंडिया किसी मैदान पर 10 मैच खेली हो और उनमें से एक भी मैच न जीती हो. भारत के साथ मैनचेस्टर जैसा रिकॉर्ड बारबाडोस में भी है. वेस्टइंडीज टीम के इस होम ग्राउंड पर भी टीम इंडिया 9 मैच खेल चुकी है, जिनमें 7 में भारत को हार का सामना करना पड़ा है, वहीं 2 मैच ड्रॉ हुए हैं. लेकिन मैनटेस्टर में बिना जीत के भारत बारबाडोस को भी पीछे छोड़ सकता है. इंग्लैंड की टीम लॉर्ड्स टेस्ट में मिली जीत से आत्मविश्वास से भरी है। पिछले मैच में उंगली तुड़वा बैठे ऑफ स्पिनर बशीर अहमद सीरीज से बाहर हैं और उनकी जगह लियाम डॉसन को अंतिम एकादश में जगह मिली है। इंग्लैंड ने मैच के दो दिन पहले ही अपनी एकादश का ऐलान कर दिया है।

ऋषभ पंत ही संभालेंगे विकेट के पीछे की जिम्मेदारी : गिल

भारत बनाम इंग्लैंड चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर आई है. भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बताया है कि मैनचेस्टर में ऋषभ पंत विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने वाले हैं. बता दें कि चौथा टेस्ट कल यानी 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाना है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में शुभमन गिल ने कहा, ऋषभ पंत मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट में विकेटकीपिंग करेंगे. पंत, जिन्हें लॉर्ड्स टेस्ट में उंगली में चोट आई थी, उन्हें सोमवार को 2 घंटे तक कड़ा अभ्यास करते देखा गया. याद दिला दें कि लॉर्ड्स टेस्ट में पंत ने सिर्फ 35 ओवर तक विकेटकीपिंग की थी, उसके बाद बाकी मैच में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग करते दिखे थे. हालांकि पंत ने बैटिंग में पहली पारी में 74 रन और दूसरी पारी में 9 रनों का योगदान दिया था. चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मुश्किल में पड़ती दिखाई दे रही है क्योंकि स्टार ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी चोट के कारण सीरीज से बाहर हो चुके हैं. दूसरी ओर अर्शदीप सिंह और आकाशदीप भी पूरी तरह फिट नहीं हैं. कप्तान गिल ने यह भी साफ कर दिया है कि चौथे टेस्ट मैच में आकाशदीप नहीं खेलेंगे.

ये खिलाड़ी बना सकते हैं रिकार्ड

इंग्लैंड में शहंशाह बनेंगे जसप्रीत बुमराह

जसप्रीत बुमराह ने अभी तक इंग्लैंड की धरती पर खेलते हुए 4 बार किसी एक पारी में 5-विकेट हॉल प्राप्त किया है. वो अगर मैनचेस्टर में खेलते हुए एक ही पारी में 5 विकेट झटक लेते हैं तो वो इंग्लैंड में सबसे ज्यादा 5-विकेट हॉल प्राप्त करने के मामले में मुथैया मुरलीधरन की बराबरी कर लेंगे. मुरलीधरन ने इंग्लैंड में पांच बार 5-विकेट हॉल प्राप्त किया था.

महान रिकॉर्ड से 101 रन दूर ऋषभ पंत

ऋषभ पंत एक महान रिकॉर्ड अपने नाम करने से महज 101 रन दूर हैं. दरअसल किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड अभी बुद्धि कुंदेरन के नाम है, जिन्होंने 1963-64 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 525 रन बनाए थे. अब इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में ऋषभ पंत 425 रन बना चुके हैं.

बतौर ओपनर केएल राहुल रचेंगे इतिहास

केएल राहुल, इंग्लैंड के खिलाफ 1,000 रन पूरे करने से महज 11 रन दूर हैं. राहुल 11 रन बनाते ही सुनील गावस्कर के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में एक हजार रन पूरे करने वाले केवल दूसरे भारतीय ओपनर बन जाएंगे.

जो रूट का महारिकॉर्ड

जो रूट ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 37 शतक लगा चुके हैं. इनमें से उनकी 11 सेंचुरी अब तक भारत के खिलाफ आई हैं, स्टीव स्मिथ ने भी टीम इंडिया के खिलाफ अभी इतनी ही टेस्ट सेंचुरी लगाई हैं. सिर्फ एक शतकीय पारी खेलने से जो रूट भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे.

इन पर रहेंगी नजरें

अंशुल कम्बोज (भारत)

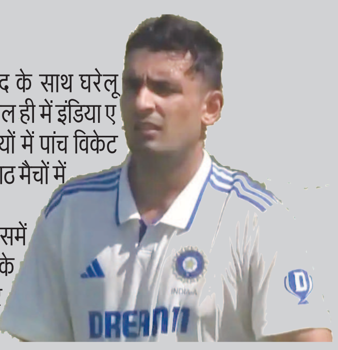

आनन-फानन में टीम में शामिल किए गए कम्बोज का लाल गेंद के साथ घरेलू क्रिकेट का अनुभव उन्हें बड़े स्तर के लिए तैयार बनाता है। उन्होंने हाल ही में इंडिया ए की तरफ से इंग्लैंड का दौरा किया था, जहां दो मैचों की तीन पारियों में पांच विकेट लिए और एक अर्धशतक भी बनाया। आईपीएल 2025 में उन्होंने आठ मैचों में आठ विकेट लिए थे। हरियाणा के इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 24 प्रथम श्रेणी मैचों में 22.88 की औसत से 79 विकेट लिए हैं, जिसमें दो %पंजा% और एक 10-विकेट हॉल शामिल है। 2024-25 के दलीप ट्रॉफी में उन्होंने तीन मैचों की आठ पारियों में 16 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता था।

लियाम डॉसन (इंग्लैंड)

इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर लियाम डॉसन आठ साल बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। भारत के खिलाफ 2016 में चेन्नई में टेस्ट डेब्यू करने वाले डॉसन ने अपना पिछला टेस्ट जुलाई 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। काउंटी चैंपियनशिप में हालिया बेहतर प्रदर्शन ने उन्हें अंतिम एकादश में जगह दिलाई है। वह गेंदबाजी के साथ-साथ अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। हैंपशायर के लिए खेलते हुए इस सीजन में उन्होंने नौ मैचों की 14 पारियों में 44.66 की औसत से 536 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने नौ मैचों में 21 विकेट भी लिए हैं।

एक नजर में

ओलंपिक में गोल्ड जीतने पर मिलेंगे 7 करोड़

नई दिल्ली. दिल्ली सरकार ने ओलंपिक और पैरालंपिक को लेकर एक बड़ा फैसला किया है. दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने ओलंपिक और पैरालंपिक विजेताओं को दी जाने वाली धनराशि को बढ़ा दिया है. दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार, 22 जुलाई को इस बात की जानकारी दी. स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को नौकरी भी देने का ऐलान किया गया है. दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई केबिनेट मीटिंग हुई ये बड़ा फैसला लिया गया. पीटीआई के मुताबिक, आशीष सूद ने बताया कि मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ओलंपिक और पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को 7 करोड़ रुपये, सिल्वर मेडल हासिल करने वाले खिलाड़ी को 5 करोड़ रुपये और ब्रॉन्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को 3 करोड़ रुपये दिए जाएंगे. आशीष सूद ने बताया कि ये फैसला स्पोर्ट ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है.

डीपीएस वसंत कुंज का दबदबा

नई दिल्ली। डॉ. आंबेडकर स्टेडियम में चल रहे ओरिएंटल कप 2025 फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन दिल्ली पब्लिक स्कूल, वसंत कुंज और डीएवी पब्लिक स्कूल, साहिबाबाद ने प्रभावशाली जीत दर्ज की। दिन भर चले मुकाबलों में कई टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।दिन की शुरुआत में सैफायर इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा ने टैगोर इंटरनेशनल स्कूल को अथर्व सिंह के दो गोलों की मदद से 2-0 से हराया। डीपीएस वसंत कुंज की लड़कों की टीम ने विनय नगर बंगाली सीनियर सेकेंडरी स्कूल को विहान मणि और कृष्णा कुमार के गोलों से 2-0 से शिकस्त दी। डीएवी पब्लिक स्कूल, साहिबाबाद ने फादर अग्नेल स्कूल, नोएडा को 3-1 से हराया, जिसमें श्रीअंश नाथ तिवारी और सागर लाहा ने गोल किए। डीपीएस आरके पुरम ने ब्लूबेल्स स्कूल को 4-1 से रौंदा, जिसमें अर्जुन गुप्ता ने दो गोल दागे। नेवी स्कूल को ज्ञान भारती स्कूल के खिलाफ वॉकओवर मिला। लड़कियों के वर्ग में टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ने सैफायर इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से मात दी, जबकि निर्धारित समय में कोई गोल नहीं हुआ था। डीपीएस वसंत कुंज की लड़कियों की टीम ने विनय नगर बंगाली सीनियर सेकेंडरी स्कूल को 4-0 से हराया, जिसमें आयुषी गुप्ता ने दो गोल किए। गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने डीपीएस आरके पुरम को 2-0 से हराकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य सरकार की खेल प्रतिभाओं को पहचानने और आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के हर खिलाड़ी को उसकी मेहनत, लगन और क्षमता के अनुरूप अवसर और मंच उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने महासमुंद जिले की नवोदित तीरंदाज नवलीन कौर को आगामी राष्ट्रीय खेलों में तीरंदाजी में स्थान बनाने और फरवरी 2025 में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने नवलीन को 'छत्तीसगढ़ के भविष्य की नींव' बताया।

अल्काराज नहीं खेलेंगे टोरंटो मास्टर्स

मांसपेशियों की समस्या के कारण लिया ब्रेक

मैड्रिड, 22 जुलाई (वार्ता) फ्रेंच ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने घोषणा की है कि वह आगामी एटीपी 1000 टोरंटो मास्टर्स में भाग नहीं लेंगे।

- **सोशल मीडिया पर की घोषणा**
- **यूएस ओपन से पहले करेंगे वापसी**

अल्काराज ने बताया है कि वह 27 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिए टोरंटो क्यों नहीं जा पाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, लगातार कई हफ्तों तक बिना आराम के प्रतिस्पर्धा करने के बाद, मैं इस साल टोरंटो में नहीं खेल पाऊंगा। मुझे मांसपेशियों में थोड़ी समस्या है और मुझे आगे के प्रदर्शन के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने की जरूरत है।

मंधाना शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति की रैंकिंग में छलांग

हरमनप्रीत कौर फिसलीं, सोफी गेंदबाजी में नंबर 1

दुबई 22 जुलाई. इंग्लैंड के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 10 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है, जिससे वह 23वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखने में सफल रही हैं।

स्मृति मंधाना (भारत) पहले दो मैचों में 28 और 42 के स्कोर के साथ 727 रेटिंग अंक बरकरार रखते हुए बल्लेबाजी में शीर्ष पर बनी हुई हैं।

हरमनप्रीत कौर (भारत)- भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 और 7 के स्कोर के बाद पांच स्थान फिसलकर 21वें स्थान पर आ गई हैं।

सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड)- गेंदबाजी रैंकिंग में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन ने अपनी स्थिति और मजबूत की है। सीरीज में चार विकेट और दूसरे वनडे

दीप्ति शर्मा (भारत)

पहले वनडे में नाबाद 62 रन और दूसरे में नाबाद 30 रन की पारी के दम पर बल्लेबाजी रैंकिंग में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंचीं। गेंदबाजी रैंकिंग में वह चौथे स्थान पर बरकरार हैं।

दिल्ली प्रीमियर लीग 2 अगस्त से

नई दिल्ली 22 जुलाई. दिल्ली प्रीमियर लीग का दूसरा संस्करण 2 अगस्त से शुरू होने वाला है। टूर्नामेंट की शुरुआत एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी, जिसके बाद पहला पुरुष मैच खेला जाएगा। फाइनल 31 अगस्त को राजधानी के प्रतिष्ठित अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। मौसम संबंधी व्यवधान के लिए पुरुषों के फाइनल के लिए 1 सितंबर को एक आरक्षित दिन भी निर्धारित किया गया है। दूसरे सीजन में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें होंगी, जिनका मुख्य ध्यान प्रतिस्पर्धी संतुलन, उभरती प्रतिभाओं और प्रशंसकों की भागीदारी पर होगा।

करुण नायर की कर्नाटक में वापसी

नयी दिल्ली, 22 जुलाई (वार्ता) भारतीय बल्लेबाज करुण नायर तीन सीजन बाद कर्नाटक टीम में वापसी करने जा रहे हैं।

- **रणजी में दमदार प्रदर्शन के बाद फिर से घरेलू टीम से जुड़ेंगे**

नायर पिछले दो सीजन से विदर्भ के साथ थे। उन्हें सोमवार शाम विदर्भ क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिला, जिससे वह अपनी मूल राज्य टीम के लिए फिर से खेल सकेंगे। नायर की कर्नाटक वापसी ऐसे समय में हो रही है जब उनके प्रदर्शन का स्तर पहले की तुलना में काफी ऊपर पहुंच चुका है। इस साल की शुरुआत में विदर्भ को तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब जिताने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से चार शतकों की मदद से 863 रन बनाए थे, जिसकी बदौलत उन्हें आठ साल बाद भारत की टेस्ट टीम में वापसी का मौका मिला। इनमें केरल के खिलाफ फाइनल में खेली गई विजयी शतकीय पारी भी शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि 2021-22 में जब नायर को कर्नाटक टीम से बाहर किया गया था, तब केरल उन्हें अपने साथ लेना चाहता था।

नायर ने 50 ओवर के विजय हजारे ट्रॉफी में रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन किया। उन्होंने विदर्भ की कप्तानी करते हुए टीम को उपविजेता बनाया और आठ पारियों में 124.01 के स्ट्राइक रेट से 779 रन बनाए, जिसमें लगातार पांच शतक शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया में चमका खो-खो

सिडनी में खोला गया पहला समर्पित कोर्ट

नयी दिल्ली, 22 जुलाई (वार्ता)सिडनी। भारत का पारंपरिक खेल खो-खो अब ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहचान बना रहा है। मई के अंत में, न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की सांसद चरिश्मा कलियंदा ने मार्सडेन रोड पब्लिक स्कूल में ऑस्ट्रेलिया के पहले खो-खो कोर्ट का उद्घाटन किया, जो खेल के जमीनी स्तर पर विस्तार की संभावनाओं को दर्शाता है।

- **सांसद चरिश्मा कलियंदा ने खो-खो को संसद में दी जगह**
- **पंजाब से ऑस्ट्रेलिया तक राज सूरा की प्रेरणादायक यात्रा**

इस खेल को ऑस्ट्रेलिया में नया जीवन देने का श्रेय खो-खो ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष राज सूरा को जाता है। पंजाब में खो-खो से जुड़े रहे राज, 1990 के दशक के अंत में ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद इससे दूर हो गए थे।

जगाई चिंगारी

24 साल बाद, 2024 में भारत में आयोजित पहले खो-खो विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने पर उन्हें दोबारा खेलने का मौका मिला। राज ने इस अनुभव को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने शुरुआती खिलाड़ियों की एक टीम को कोचिंग भी दी, जिनमें से कई ने पहले कभी यह खेल नहीं खेला था। उनकी कोचिंग में पांच महीनों के भीतर एक खिलाड़ी को पेशेवर लीग के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया, जिससे राज को विश्वास हो गया कि यह खेल कहीं भी विकसित हो सकता है।

अब खो-खो ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष के रूप में, राज इस खेल को जमीनी स्तर से पुनर्निर्मित कर रहे हैं। सिडनी के मार्सडेन रोड पब्लिक स्कूल में ऑस्ट्रेलिया का पहला समर्पित खो-खो मैदान उद्घाटित किया गया, जिसमें रिमूवेबल पोल सिस्टम है। यही मॉडल अब मेलबर्न और कैनबरा में भी अपनाया जा रहा है। राज अब स्कूलों में भी खो-खो को ले जा रहे हैं और नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

खेल विधेयक — 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की एंट्री के बाद बीसीसीआई पर लागू होंगे नए नियम, खेल विधेयक आज संसद में पेश होगा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब राष्ट्रीय खेल विधेयक के तहत

नयी दिल्ली,22 जुलाई (वार्ता) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में लाया जाना तय है। राष्ट्रीय खेल विधेयक बुधवार को संसद में पेश किया जाना है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, इस विधेयक के पारित होने के बाद, बीसीसीआई को अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघों की तरह देश के कानून का पालन करना होगा।

क्रिकेट को 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने के बाद बीसीसीआई भी ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन गया है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने मंगलवार को बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) बुधवार 23 जुलाई 2025 को संसद में पेश किए जाने वाले नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नन्स बिल में शामिल होगा। सूत्रों के अनुसार 'सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों की तरह, बीसीसीआई को भी इस विधेयक के अधिनियम बन जाने के बाद देश के कानून का पालन करना होगा।' क्रिकेट को 2028 लॉस एंजेलिस खेलों में शामिल किए जाने के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन गया है। राष्ट्रीय खेल विधेयक समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत ढांचे को संस्थागत रूप देने का प्रयास करता है।'

बीसीसीआई साल 1926 में इंपीरियल क्रिकेट सम्मेलन में शामिल हो गया था, जो बाद में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल बनी। बीसीसीआई एक स्वायत्त निजी संगठन है। बीसीसीआई भारत सरकार के राष्ट्रीय खेल महासंघ के दायरे में नहीं आता है। वह युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेता है। हालांकि, साल 2020 में बीसीसीआई आरटीआई अधिनियम के दायरे में आया था। खेल विधेयक के लागू होने पर बीसीसीआई स्वचालित रूप से एक राष्ट्रीय खेल महासंघ बन जाएगा। तब बीसीसीआई पर खेल मंत्रालय के सभी नियम और विनियम लागू होंगे।

विधेयक का मुख्य उद्देश्य

- राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) में अपारदर्शी शासन- निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना।
- शासन में एथलीट्स के प्रतिनिधित्व का अभाव- एथलीट समितियों के जरिए एथलीट्स को शामिल करना और उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ियों (एसओएम) का प्रतिनिधित्व अनिवार्य करना।
- एनएसएफ चुनावों पर बार-बार मुकदमेबाजी- अदालती मामलों को कम करने के लिए स्पष्ट चुनावी दिशानिर्देश और विवाद समाधान तंत्र स्थापित करना।
- अनुचित या अपारदर्शी एथलीट चयन- चयन मानदंडों का मानकीकरण और योग्यता-आधारित चयन सुनिश्चित करने के लिए ट्रायल और नतीजों के प्रकाशन को अनिवार्य करना।
- उत्पीड़न और असुरक्षित खेल वातावरण- शिकायतों के लिए सुरक्षित खेल तंत्र, पॉश अनुपालन और स्वतंत्र समितियों को अनिवार्य बनाना।
- शिकायत निवारण माध्यमों का अभाव- एथलीट्स, प्रशिक्षकों और हितधारकों के लिए समर्पित, समयबद्ध शिकायत निवारण प्रणालियां स्थापित करना।